रयत शिक्षण संस्था का,

# आर्टस्, सायन्स ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, रामानंदनगर (बुर्ली)

एवं

## हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पुनर्रचित पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला दि. 17 फरवरी, 2021

## अहवाल

रयत शिक्षण संस्था का, आर्टस्, सायन्स ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, रामानंदनगर,(बुर्ली) एवं हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के संयुक्त तत्वावधान में बी. ए. भाग - 3, सत्र - 5 के पेपर नं. 7 और सत्र - 6 के पेपर नं. 12 (विधा विशेष का अध्ययन) के पुनर्रचित पाठ्यक्रम पर हिंदी विभाग द्वारा बुधवार दि. 17 फरवरी, 2021 को एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था ।

इस ऑनलाइन कार्यशाला में बीजभाषक के रूप में डॉ. आर. पी. भोसले जी, सहयोगी प्राध्यापक, कला व वाणिज्य महाविद्यालय पुसेगांव तथा अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सुनील बनसोडे जी, उपप्राचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जयसिंगपुर कॉलेज, जयसिंगपुर, सदस्य, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, डॉ. भारत खिलारे, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कला व वाणिज्य महाविद्यालय पुसेगांव, तथा सदस्य, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, डॉ. दीपक तुपे, सहायक प्राध्यापक, विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर,(स्वायत्त) डॉ. दीपक जाधव अध्यक्ष, हिंदी विभाग, वेणुताई चव्हाण कॉलेज, कराड, सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. डॉ. प्रकाश चिकुर्डेकर प्र. प्राचार्य, यशवंतराव चव्हाण वारणा महाविद्यालय, वारणानगर, डॉ. नाजीम शेख
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, विजयसिंह यादव महाविद्यालय, पेठ - वडगाव, जि. कोल्हापुर आदि उपस्थित थें । अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के आदरणीय प्राचार्य डॉ. एल. डी. कदम साहब जी उपस्थित थें । कार्यशाला के लिए विविध महाविद्यालय के 109 प्रतिभागी सम्मिलित थें ।

पुनर्रचित पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (सी.बी.सी.एस.) के आलोक में किया गया है । पुनर्रचित पाठ्यक्रम का उद्देश्य यही रहा है कि छात्रों को विभिन्न साहित्यकारों का तथा उनके साहित्य का परिचय हो जाए और वह युग के अनुकूल परिस्थितियों की जानकारी देनेवाला हो, उससे परिचित कराने वाला हो, इस दृष्टि से प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए हिंदी अध्ययन मंडल की ओर से विविध साहित्यकारों में से चयनित नाटककार कुसुम कुमार तथा उपन्यासकार चंद्रकांता को चुनकर उनके नाटक एवं उपन्यास विधा को सत्र 5 के लिए नाटक "दिल्ली उँचा सुनती है' एवं सत्र 6 के लिए उपन्यास 'अंतिम साक्ष्य' का चयन किया गया है । साहित्यकार, नाटककार, उपन्यासकार के रूप में उनका परिचय करा देना,

उनकी रचनाओं का मूल्यांकन करना और उनकी प्रासंगिकता को अवगत करा देना तथा नाटक और उपन्यास के तत्वों का परिचय करा देना उद्देश्य रहा है इस दृष्टि से हिंदी विभाग की ओर से ऑनलाइन एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था । ऑनलाइन कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि फॉर्म भर लेने के बाद उन्हें प्रमाणपत्र दिए गये ।

कार्यशाला का स्वागत एवं प्रास्ताविक हिंदी विभाग प्रमुख डॉ.के.बी.भोसले जी ने किया । उदघाटन सत्र का आभार प्रा. प्रकाश आठवले कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, इस्लामपुर ने तथा सूत्रसंचालन प्रा. नितिन कुंभार ने किया । प्रथम व द्वितीय सत्र का स्वागत एवं परिचय प्रा. डॉ. जे. ए.पाटील, प्रा. डॉ. शंकुतला वाघ और आभार डॉ. विकास पाटील, प्रा. डॉ. के. बी. भोसले जी ने व्यक्त किया, सूत्रसंचालन प्रा. डॉ. संदीप कदम ने किया ।

## उदघाटन सत्र एवं बीज - भाषण

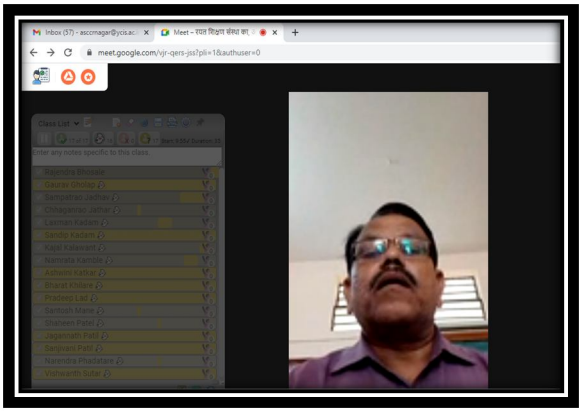

उदघाटक एवं बीज - भाषक - प्रा. डॉ. आर.पी.भोसले
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

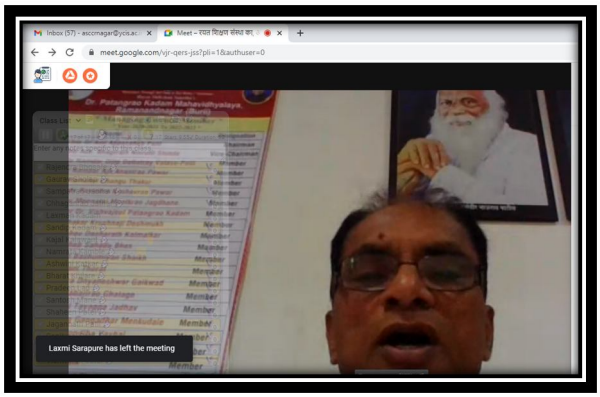


अध्यक्ष - डॉ.एल.डी.कदम
प्राचार्य, ए.एस.सी.कॉलेज,रामानंदनगर(बुर्ली)

## विषय विशेषज्ञ

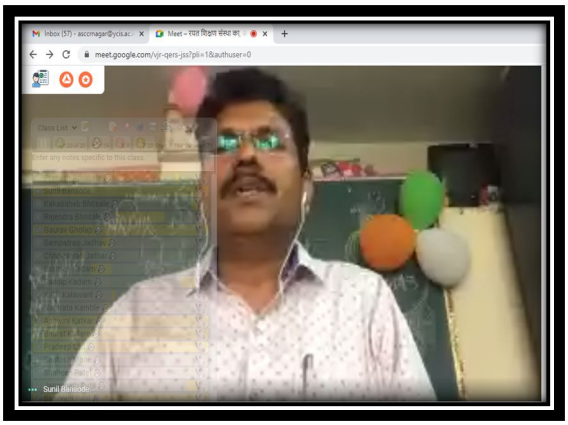

प्रा. डॉ. सुनील बनसोडे

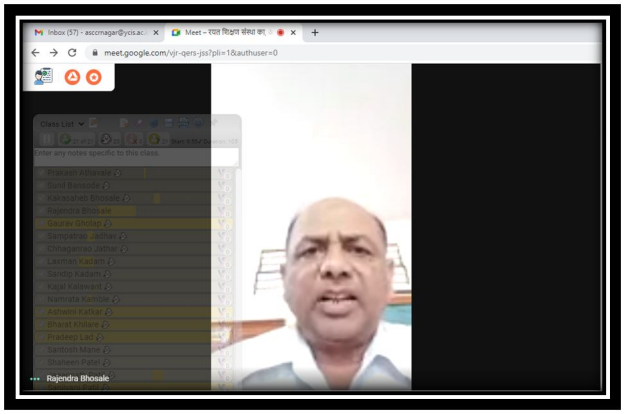

प्रा. डॉ. भारत खिलारे

सदस्य, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

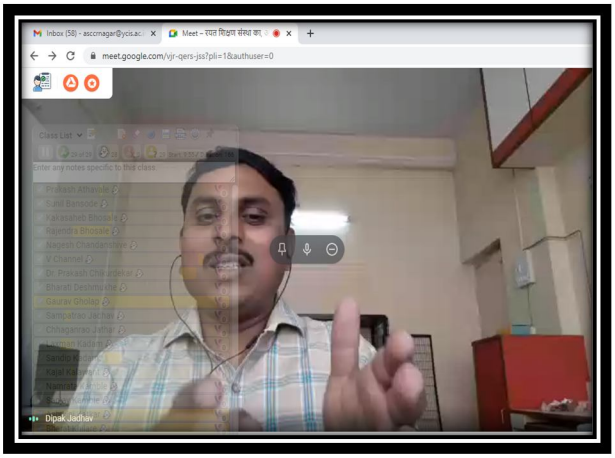

प्रा. डॉ. दीपक जाधव

अध्यक्ष, हिंदी विभाग. वेणूताई चव्हाण कॉलेज, कराड

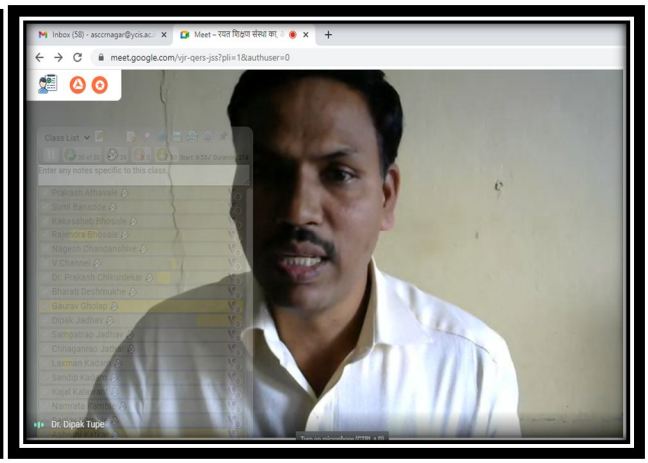

प्रा. डॉ. दीपक तुपे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर

## सत्राध्यक्ष

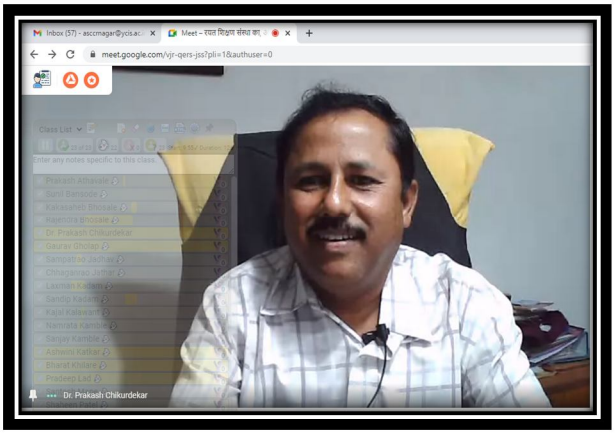

प्रो. डॉ. प्रकाश चिकुर्डेकर

प्र. प्राचार्य, यशवंतराव चव्हाण

वारणा महाविद्यालय, वारणानगर

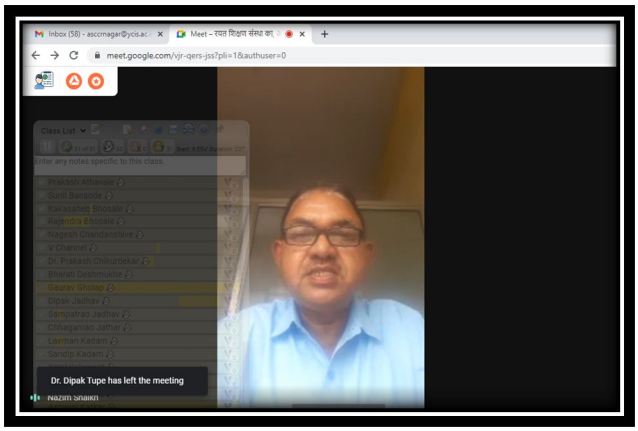

मा. प्रा.डॉ. नाजीम शेख

अध्यक्ष, हिंदी विभाग,

विजयसिंह यादव महाविद्यालय, पेठ - वडगाव

अध्यक्ष

हिंदी विभाग

प्राचार्य

आर्टस्, सायन्स अॅण्ड कॉमर्स कॉलेज, रामानंदनगर (बुर्ली)